खबर संक्षेप

जमीन कारोबारी और राजस्व अफसरों की सांठगांठ का खुलासा

सतना। जिले में जमीन कारोबारियों और राजस्व विभाग के अधिकारियों के बीच गहरी सांठगांठ का खुलासा हुआ है,जिससे करोड़ों रुपये के घोटाले की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार,यह मिलीभगत सुनियोजित तरीके से चल रही है,जिसमें सरकारी जमीन,विवादित संपत्तियों और आदि वासियों की भूमि को अवैध रूप से हथियाने का खेल धड़ल्ले से जारी है। इस सांठगांठ में मुख्य रूप से सरकारी जमीनों को निजी बताकर बेचने,राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर करने,सीमांकन में गड़बड़ी करने और नामांतरण व बंटवारे के मामलों में नियमों को ताक पर रखने के आरोप लग रहे हैं। बताया जा रहा है कि राजस्व विभाग के कुछ चुनिंदा अधिकारी और कर्मचारी जमीन दलालों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं,जिससे उन्हें मोटा कमीशन मिलता है। इसके बदले में,ये अधिकारी अवैध कब्जों को मान्यता देने और नियम विरुद्ध तरीके से जमीनों का डायवर्जन कराने में मदद करते हैं। हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं,जहां सरकारी चारागाह भूमि,तालाब की जमीन और वन विभाग की सीमा से लगी हुई भूमियों पर भी अतिक्रमण कर उन्हें बेच दिया गया है।आदिवासियों की जमीनें भी इस सांठ गांठ का शिकार हो रही हैं,जहाँ उनकी अनपढ़ता और गरीबी का फायदा उठाकर उनकी पैतृक संपत्तियों को कौड़ियों के भाव खरीदा जा रहा है और बाद में उन्हें ऊंची कीमतों पर बेचा जा रहा है। स्थानीय निवासियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इस भ्रष्टाचार में निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक के अधिकारी शामिल हैं। कई बार शिकायतें करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, जिससे इन लोगों के हौसले बुलंद हैं।प्रशासन की ढिलाई के कारण भू-माफियाओं का नेटवर्क जिले में मजबूत होता जा रहा है।इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग उठ रही है ताकि दोषी अधिकारियों और जमीन कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके और सरकारी संपत्तियों को सुरक्षित किया जा सके।अन्यथा,यह सांठगांठ भविष्य में और भी बड़े घोटालों को जन्म दे सकती है,जिससे आम जनता और सरकारी खजाने को भारी नुकसान होगा।

आठवीं के छात्र ने की आत्महत्या की कोशिश, वार्डन ने बचाया

सतना। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के मुख्तियारगंज स्थित एक छात्रावास में आठवीं कक्षा के एक छात्र ने आत्महत्या का प्रयास किया,लेकिन वार्डन की मुस्तैदी से उसकी जान बच गई। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। छात्र को गंभीर हालत में सतना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है,जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार,छात्र ने दो दिन पहले ही इस छात्रावास में एडमिशन लिया था। अभी तक आत्महत्या के प्रयास के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। छात्रावास प्रबंधन और छात्र के परिजनों से पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के कारणों का पता चल सके।

पीएचई कार्यालय के बाहर बसों की अवैध पार्किंग से यातायात बाधित

सतना। अमरपाटन में पीएचई कार्यालय के बाहर बसों की स्थायी पार्किंग ने यातायात व्यवस्था को चरमरा दिया है। बस संचालकों ने सड़क के दोनों ओर निजी भूमि बनाकर आधे से अधिक सड़क पर बसों को खड़ा कर दिया है। यहां बसों की धुलाई और सफाई भी चलती रहती है,जिससे गंदगी और अव्यवस्था फैलती है।पूर्व में ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इन बसों की हवा निकाली थी,लेकिन कुछ दिनों बाद स्थिति फिर जस की तस हो गई।इस अवैध पार्किंग से शहर की सुंदरता भी प्रभावित हो रही है,और यह बेलगाम यातायात का एक बड़ा कारण बन गया है।

चित्रकूट में सीवर लाइन के अधूरे काम से भीषण गड्ढे, यातायात ठप

सतना। चित्रकूट में सीवर लाइन डालने के बाद बिना उचित पैच भरे ऊपर से कंक्रीट करने के कारण पुरानी लंका तिराहे के पास मामूली बाढ़ में ही भीषण गड्ढे हो गए हैं। ये जानलेवा गड्ढे चित्रकूट नगर परिषद की लापरवाही को उजागर करते हैं।रात 2:30 बजे से अब तक तीन ट्रक और लगभग दस चार पहिया वाहन इन गड्ढों में फंस चुके हैं,जिससे कई वाहन पलटते-पलटते बचे हैं। प्रमुख मार्ग होने के कारण केकमदगिरि मंदिर,सतना रोड और यूपी के रामघाट को जोड़ने वाले इस चौराहे पर भीषण जाम लगा हुआ है। बाढ़ के चलते कीचड़ होने से गड्ढे दिख नहीं रहे हैं।

चित्रकूट में धीरे-धीरे कम हो रहा है मंदाकिनी का पानी, हालात सामान्य

24 घंटे में 10 इंच बारिश से हुआ था जनजीवन अस्त-व्यस्त

आध्यात्मिक और पौराणिक नगरी चित्रकूट ने पिछले 24 घंटों में 10 इंच (लगभग 254 मिली मीटर) मूसलाधार बारिश का सामना किया है,जिसने सामान्य जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है।

हरिभूमि न्यूज, सतना।

शुक्रवार शाम से शुरू हुई अविराम वर्षा ने शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा कर दी है,जिससे स्थानीय प्रशासन हाई अलर्ट पर है। हालांकि अब बारिश बंद होने से नदियों का पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है और हालात भी सामान्य होते जा रहे हैं।

जलभराव और आवागमन बाधित

भारी बारिश के कारण चित्रकूट के निचले इलाकों में गंभीर जलभराव हो गया था। कई घरों और दुकानों में पानी घुस गया था,जिससे निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रमुख सड़कें और गलियां पानी में डूब गई थी,जिससे वाहनों की आवाजाही लगभग ठप हो गई थी। यात्रियों और दैनिक यात्रियों को विशेष रूप से मुश्किलों का सामना करना पड़ा क्योंकि कई मार्ग अवरुद्ध हो गए थे और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित हुई थी। स्कूली बच्चों को भी परेशानी हुई,हालांकि कुछ स्कूलों ने एहतियातन छुट्टी की घोषणा कर दी थी।

मंदाकिनी नदी उफान पर

क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली पवित्र मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने से किनारे के घाट पूरी तरह से डूब गए थे। प्रशासन ने नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए,रामघाट और अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों पर भक्तों की आवाजाही को भी प्रतिबंधित कर दिया गया। स्थानीय मछुआरों और नाव चलाने वालों को भी नदी में जाने से रोक दिया गया है। अब धीरे-धीरे हालत ठीक होते जा रहे हैं।

बचाव और राहत कार्य जारी

जिला प्रशासन ने स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी हुई है और बचाव तथा राहत कार्यों के लिए टीमें तैनात कर दी हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए तैयार हैं। अधिकारियों ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं और लोगों से किसी भी सहायता के लिए संपर्क करने का आग्रह किया है। निचले इलाकों से लोगों को निकालने के लिए भी योजनाएं बनाई जा रही हैं,खासकर यदि बारिश जारी रहती है।मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में भी रुक-रुक कर भारी बारिश की संभावना जताई है,जिससे चिंताएं बढ़ गई हैं।

फसलों को नुकसान की आशंका

अचानक हुई इस भारी बारिश से कृषि क्षेत्र को भी भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। खेतों में पानी भर जाने से खरीफ की फसलों,विशेषकर धान और अन्य सब्जियों को काफी क्षति पहुंच सकती है। किसानों ने अपनी मेहनत पर पानी फिरने की आशंका जताई है और सरकार से मुआवजे की अपील की है। चित्रकूट में इस अभूतपूर्व बारिश ने न केवल भौतिक क्षति पहुंचाई है,बल्कि निवासियों के बीच चिंता का माहौल भी पैदा किया है। प्रशासन और स्थानीय लोग मिलकर इस प्राकृतिक आपदा का सामना करने का प्रयास कर रहे हैं।

बाढ़ में वृद्ध व्यापारी की मौत

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी की बाढ़ की चपेट में आने से 67 वर्षीय वृद्ध व्यापारी नत्थू लाल गुप्ता की दुखद मौत हो गई। मृतक रामघाट के बड़ा मठ में पूजा सामग्री की दुकान चलाते थे। बाढ़ का पानी कम होने के बाद उनका शव दुकान के अंदर ही तैरता हुआ मिला। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए कर्वी शहरकोतवाली क्षेत्र के रामघाट भेजा गया। यह घटना मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ के कारण हुई है,जिसने एक व्यापारी की जान ले ली। स्थानीय प्रशासन को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

चित्रकूट में नुकसान का सर्वे शुरू

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को हुए नुकसान का सर्वेक्षण कार्य डॉ.सतीश कुमार एस,कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व टीम ने शुरू कर दिया है। यह सर्वे बाढ़ के कारण हुई क्षति का आकलन करेगा ताकि प्रभावितों को उचित सहायता प्रदान की जा सके। टीम घर-घर जाकर नुकसान का जायजा ले रही है,जिसमें फसलों,घरों और अन्य संपत्तियों को हुई क्षति शामिल है। प्रशासन का लक्ष्य है कि जल्द से जल्द सर्वेक्षण पूरा कर राहत कार्यों को गति दी जाए।

रेलवे स्टेशनः अवैध वेंडर अफसरों की 'कमाई' का नया अड्डा

सतना।

रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडरों का बोलबाला इस कदर बढ़ गया है कि अब यह खुलेआम अधिकारियों की कमाई का जरिया बन चुका है। यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं और सुरक्षा को ताक पर रखकर,ये वेंडर बिना किसी रोक-टोक के अपना कारोबार चला रहे हैं,और सूत्रों की मानें तो इसके पीछे रेलवे के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों का संरक्षण है। स्टेशन परिसर में जगह-जगह अनाधिकृत रूप से खाद्य सामग्री,पानी की बोतलें और अन्य सामान बेचने वाले इन वेंडरों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। ये न तो रेलवे के नियमों का पालन करते हैं और न ही स्वच्छता मानकों का। हैरानी की बात यह है कि रेलवे सुरक्षा बल और वाणिज्य विभाग के अधिकारी,जिनकी जिम्मेदारी इन अवैध गतिविधियों पर नकेल कसना है,वे पूरी तरह से मूकदर्शक बने हुए हैं। यात्रियों की शिकायत है कि इन अवैध वेंडरों के कारण स्टेशन पर अनावश्यक भीड़ रहती है,जिससे आवागमन में परेशानी होती है। साथ ही,इनके द्वारा बेची जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।कई बार एक्सपायर्ड या निम्न गुणवत्ता वाली वस्तुओं को बेचने की शिकायतें भी सामने आई हैं,जो यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती हैं। सूत्रों का कहना है कि इन अवैध वेंडरों से प्रति माह एक निश्चित राशि वसूली जाती है,जो रेलवे के कुछ अधिकारियों की जेब में जाती है। यह 'कमाई' इतनी मोटी है कि अधिकारी इन वेंडरों के खिलाफ कोई कार्रवाई करने से कतराते हैं। नियमित रूप से चलने वाले अभियानों और औचक निरीक्षणों का दिखावा तो किया जाता है,लेकिन इन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। नतीजा यह है कि कुछ दिनों की 'छुट्टी' के बाद ये वेंडर फिर से अपनी जगह पर वापस आ जाते हैं। एक नियमित यात्री ने कहा कि इस पूरे प्रकरण पर रेलवे के उच्च अधिकारियों को संज्ञान लेना चाहिए और एक निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।जब तक इस सांठ गांठ को खत्म नहीं किया जाएगा,तब तक सतना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं में सुधार की उम्मीद करना बेमानी होगा।

सड़कें बदहाल,भारी बारिश ने बढ़ाई मुसीबत... चलना हुआ दुश्वार

सतना। बीते दिनों हुई भारी बारिश ने स्मार्ट सिटी सतना शहर की सड़कों की हालत बद से बदतर कर दी है। कई इलाकों में सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं,जिससे पैदल चलने वालों और वाहन चालकों,दोनों को ही भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई सड़कों पर तो गड्ढे इतने बड़े और गहरे हैं कि वे किसी छोटे तालाब का रूप ले चुके हैं,जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। शहर के प्रमुख मार्गों जैसे पन्ना नाका,रीवा रोड,टिकुरिया टोला,सिमरिया चौक से अस्पताल चौक वाला मार्ग और सिविल लाइन क्षेत्रों में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। इन इलाकों में वाहन चलाना किसी चुनौती से कम नहीं है। दोपहिया वाहन चालकों को संतुलन बनाए रखने में खासी दिक्कत आ रही है,और जरा सी चूक बड़े हादसे का कारण बन सकती है। चारपहिया वाहन भी हिचकोले खाते हुए चल रहे हैं,जिससे न सिर्फ वाहनों को नुकसान हो रहा है,बल्कि यात्रियों को भी असहजता का अनुभव हो रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि हर साल बारिश के मौसम में सड़कों की यही स्थिति हो जाती है,लेकिन प्रशासन द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। सड़कों की मरम्मत के नाम पर सिर्फ लीपापोती की जाती है,जो कुछ ही दिनों में उखड़ जाती है। जलभराव के कारण गड्ढे दिखाई नहीं देते,जिससे स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। कई जगह तो गड्ढों के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या भी उत्पन्न हो रही है,जिससे लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लग रहा है। नागरिकों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मत कराने और जल निकासी की उचित व्यवस्था करने की मांग की है। उनका

कहना है कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया,तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी विकट हो सकती है। खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों के लिए इन सड़कों पर चलना किसी जोखिम से कम नहीं है। प्रशासन को इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देते हुए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि सतना की जनता को इस दुश्वार भरी स्थिति से मुक्ति मिल सके।

बाजार क्षेत्र में कई इलाकों की सड़क खराब

बाजार क्षेत्र में लालता चौक,फूलचंद चौक,भुजवा मोहल्ला,प्रणामी मंदिर सब्जी मंडी रोड,सुभाष पार्क की ओर जाने वाला,चांदनी टॉकीज रोड,गौशाला चौक के पास अधबनी सड़क,नजीराबाद इलाकों में वाहन चलाना और पैदल चलना मुश्किल हो रहा है। इसके अलावा 45 वार्डों में कई ऐसे वार्ड हैं जहां पर गली मोहल्ले में सड़के नहीं बनने के कारण नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिस ने फायरिंग और मारपीट के फरार आरोपी को दबोचा

सतना।

सिटी कोतवाली पुलिस ने कैलाश पयासी की दुकान पर जानलेवा हमला और मारपीट के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी अमित उर्फ दीपू उर्मलिया को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। घटना 1 जुलाई को हुई थी,जब दीपू उर्मलिया,शुभम पंडित और दो-तीन अन्य ने कैलाश पयासी की दुकान पर विवेक प्रताप सिंह,प्रशांत चौधरी और नीरज तिवारी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की और रॉड-डंडे से मारपीट की। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 296, 3(5) के तहत केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने पहले ही चार अन्य आरोपियों जतिन तिवारी,अंशुमान सिंह उर्फ अंशू कछवाह,धीरू उर्फ धीरेन्द्र सिंह और बेटू उर्फ चन्द्रप्रकाश मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। साइबर सेल और मुखबिर की मदद से मुख्य आरोपी अमित उर्फ दीपू उर्मलिया उम्र 26 वर्ष, निवासी हरदोखर नाला,नागौद को मैहर से पकड़ा गया। उसके पास से एक देशी 12 बोर का कट्टा,दो जिंदा कारतूस और एक काले रंग की सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल जब्त की गई है। दीपू उर्मलिया पर पहले से ही हत्या,हत्या के प्रयास,लूट और रंगदारी जैसे कई गंभीर अपराध दर्ज हैं। उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले के अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

मैहर CMO ने किया 24 वार्डों का निरीक्षणः जलभराव और सफाई पर विशेष जोर

मैहर।

नगर पालिका परिषद की मुख्य नगर पालिका अधिकारी (CMO) सुषमा मिश्रा ने हाल ही में नगर के सभी 24 वार्डों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उनका विशेष ध्यान जलभराव की स्थिति और सफाई व्यवस्था पर रहा। जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में श्रीमती मिश्रा ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए,जिसमें नालियों की सफाई और पानी की निकासी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। वार्ड नंबर 1 में स्थित कचरा प्लांट की अव्यवस्थाओं को सुधारने के भी निर्देश दिए गए।

पुलिस की अवैध कफ सीरप तस्करों पर दोहरी कार्रवाई, कुल 90 बोतलें जब्त

सतना। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुर बाघेलान पुलिस ने दो बड़ी कार्रवाई की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे और उप पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संदीप चतुर्वेदी के नेतृत्व में दो अलग-अलग टीमों ने कुल 90 बोतल प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप जब्त की। पहली कार्रवाई में,ग्राम गाजन महिदल मोड़ पर देवेन्द्र रजक 24 वर्ष और आयुष सिंह बहरोलिया 20 वर्ष को 43 बोतल आनरेक्स कफ सिरप के साथ गिरफ्तार किया गया,जिसकी कीमत लगभग 8,385 है। इनके खिलाफ अपराध क्रमांक 563/25 दर्ज किया गया है। दूसरी कार्रवाई में,अमरपाटन मोड़ बेला से राज तिवारी उर्फ कान्हा 20वर्ष और अंकित साहू 19वर्ष को 47बोतल आनरेक्स कफ सिरप लगभग 9,165 मूल्य की और एक मोटरसाइकिल एमपी 17एम एफ 9820,कीमत 1,00,000 के साथ पकड़ा गया। इनके खिलाफ अपराध क्रमांक 562/25 दर्ज किया गया है।दोनों मामलों में आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी संदीप चतुर्वेदी सहित प्रेमशंकर द्विवेदी, उप निरीक्षक इन्द्रबली सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका रही।

खबर संक्षेप

जिले में 36 अटल पंचायत भवनों का निर्माण कार्य जारी

पन्ना । शासन द्वारा पन्ना जिले के लिए दो चरणों में स्वीकृत अटल पंचायत भवनों में से 36 पंचायत भवनों का निर्माण कार्य निर्बाध रूप से जारी है। अजयगढ़ विकासखण्ड की ग्राम पंचायत धरमपुर में सर्वसुविधायुक्त अटल पंचायत भवन बनकर तैयार हो चुका है, जबकि 16 पंचायत भवन भी अतिशीघ्र बनकर तैयार हो जाएंगे। प्रथम चरण में स्वीकृत समस्त 28 पंचायत भवन निर्माणाधीन हैं, जबकि द्वितीय चरण में स्वीकृत 14 पंचायत भवन में से 8 का कार्य प्रारंभ हो चुका है। प्रथम चरण में पन्ना विकासखण्ड की ग्राम पंचायत गहरा, ललार, सिरस्वाहा, बृजपुर, मनकी और बिलखुरा में अटल पंचायत भवन स्वीकृत किया गया था। इसी तरह अजयगढ़ विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बहिरवारा, बरियारपुर कुर्मियान, कुंवरपुर, कटर्रा, मकरी, धरमपुर एवं आरामगंज, गुनौर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत नयागांव, जैतूपुरा, पटनातमोली एवं सलेहा, पवई विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सिरसी, कोलकरहिया, कोनी, चिखला, महोड़, बिरासन और गनियारी तथा शाहनगर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत महाराजगंज, खमरिया हरदुआ, जमुनिया एवं महिलवारा में पंचायत भवन स्वीकृत किए गए थे। द्वितीय चरण में अजयगढ़ विकासखण्ड की ग्राम पंचायत नारायणपुर, नयागांव, लोढ़ापुरवा एवं देवराभापतपुर, गुनौर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत पगरा, सरहंजा, बरौहा, कटकहा एवं कमताना, पन्ना विकासखण्ड की ग्राम पंचायत गजना तथा पवई विकासखण्ड की ग्राम पंचायत गढ़ीकरहिया, तिल्ली, देवरा और राजपुर में पंचायत भवन स्वीकृत किए गए हैं।

नेशनल हाइवे की सड़कों के गड्ढे दे रहे हादसों को न्योता

महज़ 2 किलोमीटर की सड़क पर 20 गड्ढे - ये देवेन्द्रनगर का हाल

देवेन्द्रनगर। देवेन्द्रनगर से गुजरने वाली सड़क पर हर रोज जद्दिगी दांव पर है, लेकिन सरकार और निगम बेखबर हैं। क्या यही है देवेन्द्रनगर का विकास मॉडल?सतना पन्ना रोड नेशनल हाइवे की सड़कों पर दिखने वाले छोटे-छोटे गड्ढे बड़े हादसों को न्योता दे रहे हैं मगर प्रशासन मौन है। सड़कों पर बने गड्ढों से हुए सड़क हादसों में लोग घायल भी हो चुके हैं। नेशनल हाइवे देवेन्द्रनगर के आस-पास के अलावा बहुत से एसी जगह चिन्हित है जहां गहरे गड्ढे हैं। जिसकी वजह से अक्सर वाहन ज्यादातर हादसों का कारण बन रहे है। वही पन्ना-भारत सरकार द्वारा नेशनल हाइवे को दुरुस्त करने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार की मिलीभगत के चलते नेशनल हाइवे 39 आज भी अपनी दुर्दशा के आशू बहा रहा है। सकरिया से मडला घाटी होते हुए मडला गांव तक सफर जोखिम से भरा हुआ दिखाई देता है। यदि बात करे दुर्घटनाओं की तो आये दिन कभी वाहनों को नुकसान तो कभी दुर्घटनाओं के शिकार वाहन चालकों को होते देखा गया है। इतना ही मडला घाटी में आये दिन जाम की स्थितियां निर्मित हो जाती है जिसके चलते यात्रियों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पन्ना जिले से निकलने वाले नेशनल हाइवे 39में मडला से सकरिया तक का सफर जोखिम भरा हो चला बात करे यदि हाइवे में पड़ने वाले पुलियो की तो 50 किलोमीटर तक के सफर में कई पुलिया क्षतिग्रस्त अवस्था में देखी जा सकती इसके साथ ही पन्ना से सकरिया तक मार्ग पहले से और छोटा हो गया जिससे दो बड़े वाहनों को आपस से बराबर में निकलना टेड़ीखीर जैसा दिखाई दिखाई दे रहा। 'मार्ग अधूरा फिर भी टोल टैक्स के नाम पर वसूली चालू वाहन चालकों से नेशनल हाइवे 39 पर पन्ना से छतरपुर और पन्ना से सतना मार्ग टोल प्लाजा चालू है जिसमें अच्छी सड़को के इस्तेमाल करने के नाम पर वाहन चालकों से टोल टैक्स तो ले रहे है. लेकिन नेशनल हाइवे 39 में लगभग 50 किलोमीटर तक सफर बहुत ही जोखिम भरा होने के वावजूद भी ठेकेदार द्वारा नेशनल हाइवे का कोई सुधार कार्य नहीं किया गया जिसके चलते नेशनल हाइवे 39 में पड़ने वाले सकरिया से मडला तक का सफर वाहन चालकों के लिये काफी कस्टदाई है। जब टेक्स की वसूली की जा रही तो सड़को को चौड़ा रहित दुरुस्त और पुलियो को भी दुरुस्त किया जाए साथ ही दुर्घटना स्थल, मोड़ आदि के सांकेतिक चिन्ह भी लगाए जाना चाहिए।

जहरीला पदार्थ निगलने से युवक की हालत गंभीर

शराब के नशे में आवारा हालत में पुलिस को पड़ा मिला, प्राथमिक उपचार के बाद रेफर

अमानगंज- पन्ना जिले के सुनवानी कला पुलिस थाना क्षेत्र के ग्राम कोल करईया के एक युवक ने आज शराब के नशे में जहरीला पदार्थ निगल लिया और आवारा हालत में नगर के नया बस स्टैंड पास बालाजी मंदिर मार्ग में बेहोशी की हालत में पड़ा था। घटना की सूचना 100 नंबर पुलिस को दी गई और पुलिस ने उसे मौके से उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज इलाज हेतु दाखिल कराया। जहां चिकित्सक ने देख कर बताया कि यह व्यक्ति शराब के नशे के साथ जहरीला पदार्थ खा चुका है। इसलिए इसकी हालत गंभीर है, इसे बाहर ले जाना होगा। जिसकी सूचना पर पुलिस ने पता लगाया कि वह कौन है कहां का है तब पुलिस को ज्ञात हुआ यह कल्लू पटेल पिता सुंदर पटेल उम्र 25 वर्ष निवासी कोल करईया थाना सुनवानी कला का रहने वाला है। जिसकी सूचना उसके परिजनों को दी गई और वह मौके पर पहुंचे। युवक को इलाज हेतु परिजन उसे दमोह ले गये। अब कल्लू ने ऐसा कदम क्यों उठाया क्या घर में कोई विवाद हुआ या कोई और परेशानी से वह परेशान था। सारी बातों की जानकारी स्थानीय पुलिस अब जांच के बाद देगी।

सड़कों पर घूम रहे आवारा पशु, राहगीरों को हो रही परेशानी

अमानगंज।

नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में सड़कों पर घूम रहे आवारा पशु लोगों के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। गाय, बैल और सांड मुख्य मार्गों, बाजारों व चौराहों पर दिनभर विचरण करते नजर आते हैं, जिससे वाहन चालकों व राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। नागरिकों ने शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

भरे हुए जानवरों से जा रही पिकअप को गौसेवकों ने पकड़ा, पुलिस को सौंपा

पन्ना। रात्रि भर मेहनत करने के बाद हमारे क्षेत्र के गौसेवक भाइयों को आखिरकार बड़ी सफलता मिली। जानकारी के अनुसार, जानवरों से भरी एक पिकअप जो कि भटिया की बताई जा रही है और भटनवारा से लोड होकर जा रही थी, उसमें करीब 30 से 35 नग जानवरों को बहुत ही क्रूर तरीके से ठूंस-ठूंस कर भरा गया था। गौसेवकों ने इस पिकअप को बिल्हाई मोड़ के पास रोका और तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया। इस अभियान में सलेहा, गुनौर और देवेंद्रनगर के कई गौसेवक साथी रातभर लगे रहे। सबकी मेहनत रंग लाई और आखिर में सफलता मिली। गौसेवकों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाए ताकि आगे से कोई भी इस तरह का अमानवीय काम ना कर सके।

जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण मरम्मत के अभाव में जर्जर हुआ केन नदी तिगरा का पुल, बढ़ी दुर्घटना की आशंका

छोटे वाहन निकलने में खतरों का संकेत, साइड के सुरक्षा पाया भी क्षतिग्रस्त

अमानगंज।

मध्यप्रदेश शासन प्रशासन कितना ही विकास का ढिंढोरा पीटे पर धरातल पर हाल ज्यों का त्यों हैं, न कोई जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं न कमी की ओर ध्यान दे रहे हैं। जबकि प्रतिदिन उनके वाहनों का आना जाना सिमरिया से अमानगंज का होता है, फ़रि भी आंख बंद करके तमाशबीन बने हैं। जी हां बात हो रही हैं स्टेट हाईवे 49 की सड़कों और पुल की जहां जिम्मेदारों की अनदेखी से मरम्मत के अभाव में सड़कों और पुलों का खस्ता हाल होता जा रहा है ऊपर से बड़े बड़े भारी भरकम वाहनों के चलते सड़के और पुल बड़े बड़े गड्ढों में तब्दील होते जा रहें हैं। जहां न शासन का ध्यान आकर्षित हो रहा है न प्रशासन का। जबकि प्रतिनिधि और शासन के नुमाइंदो का हर रोज आना जाना लगा रहता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जेके प्लांट से गुजरने पर वृन्दावन रेस्टोरेंट से बोदा मोड़ तक सड़कों में इतने गड्ढे हो गए हैं कि छोटा वाहन 2 फिट तक समा सकता है वही तिघरा केन नदी के पुल की स्थिति और भी दयनीय हैं, जहां पर पूरे पुल पर भारी भरकम बड़े बड़े गड्ढे हो चुके हैं छोटे वाहन तो वहां से निकलने में ही दहशत से भर जाते हैं, बारिश के पानी से गड्ढे पूरी तरह से ढक जाते हैं जिससे फिसलन और वाहन अनियंत्रित होकर गिर जाने की संभावना बनी रहते हैं एवं पुल के सुरक्षा पाया भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं जहां वाहन गिरने से बचाव की संभावना भी खत्म हो जाती है। भारी वाहन की क्रॉसिंग से भी लोग कतराते नजर आते हैं। जहां न तो आज तक शासन की नजर गई और न प्रशासन ने जिम्मेदारों को सूचित करने की कोशिश की होगी। आज केन नदी का पुल दुर्घटना को निमंत्रण देता नजर आ रहा है। स्थानीय निवासियों लोगों का कहना है कि हमें पुल पर रोज कोई न कोई गिरा दिखाई देता है ऐसा न हो किसी दिन कोई बड़ी दुर्घटना का शिकार हो जाए।

ध्रुव चरित्र सुनकर भाव विभोर हुये श्रोता

श्री जुगुल किशोर जी मंदिर में संगीतमय भागवत कथा के तीसरे दिन भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

पन्ना। पन्ना शहर के श्री जुगुल किशोर जी मंदिर में चल रही संगीतमय भागवत कथा के तीसरे दिन कथावाचक कमल नयन महाराज ने कहा कि मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। स्थानीय भूतड़ों की गली में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। व्यासपीठाधीश्वर ने गुरुवार को भागवत कथा के दौरान कपिल चरित्र, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, जड़ भरत चरित्र, नृसिंह अवतार आदि प्रसंगों पर प्रवचन करते हुए कहा कि भगवान के नाम मात्र से ही व्यक्ति भवसागर से पार उतर जाता है। उन्होंने भगवत कीर्तन करने, ज्ञानी पुरुषों के साथ सत्संग कर ज्ञान प्राप्त करने व अपने जीवन को सार्थक करने का आह्वान किया। भजन मंडली की ओर से प्रस्तुत किए गए भजनों पर श्रोता भाव विभोर होकर नाचने लगे। श्री जुगुल किशोर जी मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा वाचक श्री कमल नयन महाराज ने कहा कि वैराग्य मानव को ज्ञानी बनाता है। वैराग्य में मानव संसार में रहते हुए भी सांसारिक मोहमाया से दूर रहता है। उन्होंने वाराह अवतार सहित अन्य प्रसंगों पर प्रवचन किए। इससे पूर्व यजमान द्वारा पूजा-अर्चना की गई। महाराज ने भक्त नरसी मेहता के जन्म, उनकी श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति सहित अन्य प्रसंगों पर प्रवचन किए। कल 14 जुलाई को भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा की जायेगी।

मेला एवं त्यौहारों के दृष्टिगत व्यवस्थाओं के दिये दिशा निर्देश

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने वर्तमान जुलाई एवं आगामी अगस्त माह में वर्षा ऋतु के दौरान जिले में लगने वाले मेले एवं उत्सव तथा नागपंचमी, रक्षाबंधन, हलषष्ठी, जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी पर्व के अवसर पर अत्यधिक भीड़ की संभावना होने पर ऐसे स्थानों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्देश दिए हैं। इस संबंध में अनुविभागीय मजिस्ट्रेट अपने क्षेत्रों में मजिस्ट्रियल ड्यूटी लगाकर पुलिस के सहयोग से भीड़ नियंत्रण का समुचित उपाय करेंगे, साथ ही संभावित अप्रत्याशित घटनाओं की रोकथाम के लिए भी उचित प्रबंधन किया जाएगा। कोई भी अप्रिय घटना पर रोकथाम के उद्देश्य से बांध, तालाब, नदी व नालों के तट पर लगने वाले मेलों के आयोजन पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जिला कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। किसी भी प्रकार की लापरवाही के लिए व्यक्तिगत उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा।

जिले की एक लाख 82 हजार 263 लाडली बहनों को मिली सहायता राशि

पन्ना । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को उज्जैन के नलवा ग्राम से मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की लाभार्थी महिलाओं को वर्तमान जुलाई माह की मासिक सहायता राशि का सिंगल क्लिक के जरिए बैंक खाते में अंतरण किया। साथ ही सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की 11 विभिन्न योजनाओं तथा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना श्रेणी की लाडली बहनों को भी सिलेंडर रीफिलिंग की राशि अंतरित की। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार सिंह सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी एवं सेक्टर पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा लाडली बहनों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को उपस्थितजनों द्वारा लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से देखा गया एवं मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना गया। ग्राम पंचायतों एवं नगरीय क्षेत्र के वार्डों में भी लोगों ने उत्साहपूर्वक राज्य स्तरीय राशि वितरण के कार्यक्रम को सीधा प्रसारण के माध्यम से देखा एवं सुना। पन्ना जिले की एक लाख 82 हजार 263 लाडली बहनों को 22 करोड़ 30 लाख रूपए की सहायता राशि मिली, जबकि सामाजिक सुरक्षा पेंशन के एक लाख 2 हजार 274 हितग्राहियों को 6 करोड़ 13 लाख रूपए और 37 हजार 863 बहनों को 35 लाख 69 हजार रूपए की रीफिलिंग राशि प्राप्त हुई।

व्यवस्था के चलते श्रम कानून का नहीं हो रहा है पालन?

गुनौर में नियमानुसार पगार नहीं पा रहे लोकसेवा गारंटी केंद्र में आपरेटर!

पन्ना।

मध्य प्रदेश में जितनी शिद्दत से सरकार ने लोक सेवा गारंटी केंद्र का गठन और उसका निर्माण आवाम आम किसान की रोजमर्रा की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए लोक सेवा गारंटी केंद्र बनाया गया था। जिसमें आम जनमानस की आवश्यक सुविधाओं को शामिल करते हुए समय सीमा में आवेदन आवेदन पत्रों का निराकरण करते हुए सरकार की मंशा को साकार करने हेतु गुनौर में भी एक लोक सेवा गारंटी केंद्र की स्थापना की गई थी? यहां पर आधे से ज्यादा सुविधा कागज़ी कोरम पूर्ति के और पत्रक बनाकर वरिष्ठ अधिकारियों को जी हजूरी की पूर्ति करने में पूर्ण कर ली जाती हैं। और आम जनमानस परेशान घूमता रहता है? उसके विलग एक और समस्या है , जिस लोक सेवा गारंटी केंद्र में प्रस्तुत आवेदन पत्रों का निराकरण शिक्षित बेरोजगार, ऑपरेटरों के द्वारा किया जा रहा है, या कार्य में संलग्न हैं उनका आर्थिक और मानसिक रूप से संचालक की मनमानी से शोषण हो रहा है। शोषण ऐसा वैसा नहीं बल्कि किसी बंधुआ मजदूरी प्रथा से ज्यादा लग रहा है।

तभी तो इन लोक सेवा प्रबंधन में काम करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटरों को श्रम मंत्रालय एवं मध्य प्रदेश सरकार की मंसा के अनुरूप उनका मानदेय, या हम यूं कहें कि पारिश्रमिक, उचित और नियमावली के मुताबिक नहीं प्रदान किया जाता है। जिससे काफी परेशानी का सामना ऑपरेटरों को करना पड़ता है।

एक नजर लोक सेवा गारंटी केंद्र के ऑपरेटर की समस्या -

लोक सेवा गारंटी केंद्र की नियमावली के अनुसार अगर बात की जाए, दो 3500/- रुपए 45 00/- से अधिक किसी भी ऑपरेटर को राशि प्रदान नहीं की जाती है। जबकि कलेक्टर रेट एवं श्रम मंत्रालय की गाइडलाइन के मुताबिक नियमानुसार उनका मानदेय संबंधित ऑपरेटर के खाते पर जाना चाहिए ? मगर ऐसा आज तक नहीं हुआ । मजेदार बात यह है कि इन ऑपरेटरों का पारिश्रमिक नगद रूप में बहुत ही कम राशि के रूप में अनुसूचित तरीके से प्रदान करके उनसे काम कराया जा रहा है जो असंवैधानिक और गलत है।

कलेक्टर पन्ना के आदेश को भी नहीं मानते संचालक -

पूर्व में कार्यालय कलेक्टर (लोक सेवा प्रबंधन) अपने पत्र क्रमांक 196 दिनांक 28 /6 /2024 को समस्त संचालकों को आदेशित किया गया था। और चिंता जाहिर करते हुए लेख किया गया था,कि लोक सेवा केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों को शासन के नियमानुसार इपीएफ ईएसआईसी आदि का लाभ नहीं दिया जा रहा है? जबकि उक्त संबंध में शासन द्वारा नवीन आरपीएफ पी के बिंदु क्रमांक 5 । (क) मैं संचालक को लोक सेवा केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों के लिए ईएसआईसी इपीएफ टैक्स आदि जमा करने तथा संबंधित के वेतन भुगतान के प्रमाण पत्र प्रेषित करने की निर्देश दिए गए हैं। वर्तमान में लोक सेवा केंद्र के संचालकों द्वारा इसका पालन किया जाए ? मगर नहीं किया जा रहा है। इसी तरह कार्यालय कलेक्टर जिला रीवा मध्य प्रदेश ने भी, अपने कार्यालय आदेश क्रमांक 86 लोक सेवा गारंटी 2024 रीवा दिनांक 9.7.2024 को श्रम अधिकारी श्रम विभाग जिला रीवा मऊगंज को ऑपरेटर को उचित वेतनमान नहीं देने संबंधी शिकायत पर चिंता जाहिर किया था..? और इसकी प्रति भी विनोद रिछारिया मध्य प्रदेश लोक सेवा केंद्र कर्मचारी संघकी ओर एक प्रति प्रेषित की गई थी। मगर मध्य प्रदेश के साथ-साथ पन्ना जिले में लोक सेवा प्रबंधन की मनमानी के चलते बेरोजगार,आपरेटरों से काम तो पर्याप्त लिया जाता है? मगर उनकी पगार देने में षडयंत्र पूर्वक उन्हें नगद राशि देकर के इतिश्री कर ली जाती है, जो मानवीय दृष्टिकोण के साथ-साथ शासनादेशों एवं मध्य प्रदेश सरकार की मंसा पर पानी फेर रहा है। मध्य प्रदेश सरकार एवं जिले के न्यायप्रिय कलेक्टर से आवाम की गुजारिश है कि, इस बड़े षड्यंत्र के तहत लोक सेवा गारंटी केंद्र गुनौर में श्रम विभाग की मंसा के विपरीत कराए जा रहे काम,उनके खाते में अबतक नहीं दिए जा रहे भुगतान,बेतन का भुगतान नहीं करने, अलावा वेतन नगद रूप में देने आदि बिंदुओं की जांच कराई जाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। और यह भी सुनिश्चित किया जाए जिन प्राधिकृत अधिकारियों की ड्यूटी लोक सेवा गारंटी के अंदर में संबंधित दिनों में लगाई जाती है। क्या वह लोक सेवा केंद्र में बैठते भी हैं या नहीं ? जांच यह भी कराई जाए कि आखिर इस केंद्र के अंदर में कितने ऐसे प्रकरण है? कि निराकरण की आड़ में फर्जी तरीके से खारिज कर दिए जाते हैं जिससे जनता काफी परेशान है। पंकज शिवहरे, जिला प्रबंधक, लोकसेवा गारंटी पन्ना को फोन लगाया तो फोन ही रिसीव नहीं किया।

लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर, निचली बस्तियों में भय का माहौल, पूरे दिन प्रशासनिक अमला रहा अलर्ट

अमानगंज- नगर सहित समूचे जिले में दिनांक 11 जुलाई से अतिवृष्टि जारी है तथा मौसम विभाग द्वारा भी भारी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है। लगातार बारिश होने के कारण नगर अमानगंज की मिढ़ासन नदी का जल स्तर सुबह से ही लगातार बढ़ता देखा गया। जिससे वार्ड क्रमांक 3 इंदिरा कॉलोनी सहित नदी नालों के समीप की निचली बस्तियों में भय का माहौल बना हुआ है। पाठा नाला के रपटा के ऊपर पानी होने से रामपुर मार्ग रहा अवरुद्ध रामपुर को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाले पाठा नाले के रपटा पर पानी बह रहा था जिससे पूरे दिन रामपुर,सिरी, बलगहा, मझगवाशेख, महुआपुरा, रामपुर, बरोहा, महुआडांडा,विपतपुरा,मरहा एवं खमरी सहित लगभग दर्जन भर गांव का आवागमन बंद रहा। नदी नालों में जल स्तर बढ़ने की वजह से सुबह से ही नगर परिषद अमानगंज के मुख्य नगर पालिका अधिकारी घनश्याम पांडे एवं नगर परिषद अध्यक्ष सारिका खटीक नदी के विभिन्न घाटों एवं नालों का निरीक्षण करते देखे गए और वार्ड क्रमांक 3 इंदिरा कॉलोनी सहित निचली बस्तियों में भी जाकर नगर वासियों का हाल जाना और उनको सावधान रहने की अपील की। इसके साथ ही केन नदी में लगातार बढ़ते जल स्तर को देखते हुए तहसीलदार अमानगंज ममता मिश्रा अपने राजस्व अमले और थाना प्रभारी माधवी अग्निहोत्री के साथ पंडवन पुल के निरीक्षण के लिए पहुंचे। जिन्होंने नदी के जल स्तर का मौका मुआयना किया। साथ ही मिढ़ासन नदी के जल स्तर पर भी पूरा प्रशासनिक अमला लगातार दिन भर नजर बनाए रहा और अलर्ट मोड पर देखा गया।1

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार कार ने बाईक को मारी टक्कर, चालक की मौत

छतरपुर। खजुराहो थाना क्षेत्र में रविवार को हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की बाईक को तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी थी, जिससे युवक घायल हो गया। बाद में उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया लेकिन हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक राजनगर के खटक्याना मोहल्ला निवासी 45 वर्षीय राजेश पुत्र धर्मदास खटीक अपनी बाइक से सुबह करीब 11 बजे राजनगर से बमीठा जा रहे थे। इसी दौरान खजुराहो में चंदेला तिगड्डा के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राजेश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत उन्हें खजुराहो अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत बिगडऩे पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने राजेश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजनगर पुलिस ने दो आरोपी पकड़े

राजनगर थाना पुलिस ने रविवार को अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान के तहत दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से अवैध कट्टा, बंदूक और कारतूस बरामद किए गए। थाना राजनगर पुलिस को मुखबिरों से संदिग्ध व्यक्तियों के अवैध हथियारों के साथ होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम भबुआ नरिया के पास से रामराजा यादव पुत्र प्रीतम यादव निवासी ग्राम रामनगर थाना राजनगर को 315 बोर के कट्टे और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। रामराजा लूट, मारपीट, अवैध वसूली और एससी/एसटी से संबंधित 10 अपराधों में पहले से लिप्त है और कई मामलों में फरार वांछित था। दूसरी कार्रवाई में ग्राम नांद के राजनगर-डुमरा रोड पर ढाबे के पास से चंद्रप्रकाश पटेल पुत्र आशाराम पटेल निवासी ग्राम तालगांव थाना राजनगर को 12 बोर की एक नली अवैध बंदूक और कारतूस के साथ पकड़ा गया। चंद्रप्रकाश की अवैध हथियार के साथ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। दोनों के खिलाफ आयुध अधिनियम की धाराओं के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

सड़क पर गिरे पेड़ से टकराई बाइक, युवक की दर्दनाक मौत

महाराजपुर थाना क्षेत्र में रविवार को बुडऱख गांव से छतरपुर आ रहे एक युवक की बाइक, सड़क पर गिरे पेड़ से टकरा गई। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान संतोष पुत्र आशाराम श्रीवास उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम बुडरख थाना महाराजपुर के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, संतोष अपनी मोटरसाइकिल से छतरपुर जा रहा था तभी निवारी के पास सड़क पर गिरे पेड़ से उसकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि संतोष गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने तत्काल एम्बुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोपहर में जिला अस्पताल में मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया।

सटई रोड़ मार्ग भी पानी में बहा, आवागमन अवरूद्व, शहर की सड़कें गडढों में तब्दील, पडरिया बांध फूटा

2 दिन की बारिश ने विकास कार्यो के भ्रष्टाचार की खोली पोल, रगोली के पास बहा पुल

छतरपुर।

लम्बे अरसे बाद छतरपुर जिले में हुई बारिश ने विकास कार्यो के भ्रष्टाचार की पोल खोल कर रख दी है। 2 दिन हुई लगातार बारिश के कारण बिजावर-मातगुवां मार्ग में रगोली के पास पुल बह जाने के कारण आवागमन पूरी तरह से जहां ठप्प हो गया। बहीं इस निर्माण कार्य की पोल खुल गई कि कितना निर्माण कार्य मे भ्रष्टाचार किया गया है। बिजावर का गुलगंज से भी मार्ग बंद होने के कारण यात्री परेशान रहें। बहीं छतरपुर सटई मार्ग ने भी इस बारिश में भ्रष्टाचार की पोल खोल कर रख दी। क्योंकि चंद महीनों पहले बनी यह सड़क पानी में बह गई। जिससे छतरपुर सटई मार्ग में भी आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया, जबकि यह सड़क करोड़ो रूपए की लागत से चंद्र माह पूर्व बनाई गई थी। इसी तरह पड़रिया डेम भी कई बर्षो की बारिश के बाद फूट गया और डेम के आसपास बसे गांव में बाढ जैसी स्थिति उत्तपन्न हो गई। यह डेम किसकी लापरवाही से फूटा जो जांच का विषय है। इसी तरह दो दिन की बारिश में छतरपुर शहर की सड़के भी गडढों में तब्दील हो गई। शहर की सड़कों में जगह जगह डामर की जगह गडढे ही नजर आ रहें है। जिससे बाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहें है। पानी बरसने के कारण इन गडढों में पानी भर जाता है और वाहन चालक पानी भरा होने के कारण समझ नही पाते है। इस प्रकार जहाँ देखो उधर ही विकास कार्यो का भ्रष्टाचार दो दिन की बारिश में खुलकर सामने आ गया है।

रगोली के पास सड़क बही -

बिजावर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मातगुवां से बिजावर के लिए बनी सड़क दो दिन की बारिश नही झेल पाई और रगोंली गांव के पास पुल के नजदीक यह सड़क बह गई। जबकि कुछ समय पूर्व ही इस सड़क की मरम्मत की गई थी लेकिन दो दिन की बारिश न झेल पाने के कारण स्पष्ट है कि मरम्मत में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। इसी कारण यह सड़क बारिश नही झेल पाई, दो दिन से लोगों को आवागमन के लिए परेशान होना पड़ रहा है। क्या प्रशासनिक अधिकारी इन जिम्मेदार अधिकारियों के विरूद्व विभागीय जांच बैठाकर भ्रष्टाचार की जांच करायगें और कार्यवाही करेंगे। भ्रष्टाचारों की जांच न होने के कारण ही इस तरह के घटिया निर्माण किए जा रहें है और शासन का पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है।

चंद्र महीनों में सटई रोड़ के निर्माण का खुला भ्रष्टाचार -

छतरपुर से सटई तक सड़क निर्माण के लिए करोड़ो रूपए की लागत से ठेका दिया गया था। कई महीनों से छतरपुर सटई सड़क मार्ग का निर्माण चल रहा था और आसपास के ग्रामीणों को उम्मीद थी कि उन्हें बारिश के दिनों में आवागमन की सुविधा अच्छी होगी। लेकिन आसपास के ग्रामीणों के अरमानों पर उस समय पानी फिर गया जब करोड़ो रूपए की लागत से बनी छतरपुर सटई सड़क बह गई और आवागमन अवरूद्व हो गया। इस सड़क के निर्माण में भ्रष्टाचार की बू आ रही है। क्योंकि जिस कपंनी को ठेका दिया गया था उस कपंनी के द्वारा पेटी कान्टेक्ट में सड़क का निर्माण कार्य दे दिया। फिर पेटी कान्टेक्ट में इस सड़क के निर्माण में जो भ्रष्टाचार किया गया है। बह आज खुलकर सामने आ गया है। यह सड़क मार्ग भी बिजावर विधानसभा के अंतर्गत आ रहा है। क्या जिले के बरिष्ट अधिकारी इस बड़े भ्रष्टाचार की जांच करायगे सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार करने बालो को कहीं राजनेतिक सरंक्षण तो नही प्राप्त है। जिससे निर्माण कार्यो में खानापूर्ति करके घटिया स्तर के निर्माण कार्य कराकर शासन की करोड़ो की राशि हड़पी जा रही है।

शहर की सड़के बया कर रही भ्रष्टाचार की कहानी -

शहर की सड़के दो दिन की बारिश में भ्रष्टाचार की कहानी बयां करने लगी है। क्योंकि दो दिन हुई बारिश से शहर के प्रत्येक सड़क में पग-पग में गडढे हो गए है। और यह गडढे दो पहिया वाहन चालकों के लिए जानलेवा बन गए है एक सप्ताह पूर्व लोक निर्माण विभाग द्वारा आकाशवाडी तिराहे से लेकर बस स्टैण्ड तक सड़क के गडढों को भरवाया गया था। लेकिन दो दिन में ही यह गडढे ज्यों के त्यों हो गए हर साल लोक निर्माण विभाग द्वारा डामरीकरण कराया जाता है। लेकिन डामरीकरण इतना घटिया होता है कि एक भी बारिश नहीं झेल पाता है। नगर पालिका द्वारा 1 साल पूर्व विधायक ललिता यादव के आवास की ओर जाने बाली सीसी सड़क का डामरीकरण काराया गया था। लेकिन यह डामरीकरण पहली बारिश भी नही झेल पाया और जवाहर मार्ग से सीताराम कॉलोनी तक सड़क में जगह जगह गडढे हो गए है। यह गडढे नगर पालिका के डामरीकरण के भ्रष्टाचार को उजागर कर रहें है।

कलेक्टर ने शुरु कराया नुकसान का सर्वे -

कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में जिले में अतिवृष्टि से हुए नुकसान का सर्वे कार्य प्रारंभ हो गया है। सर्वे दल द्वारा फसलों के नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। कलेक्टर ने सभी निर्माण से जुड़े विभागों को बारिश से हुए नुकसान के रेस्टोरेशन का कार्य शुरू कराए जाने के निर्देश दिए और नुकसान का आंकलन करके जानकारी भेजने के भी निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को बारिश से हुए फसल, मकान एवं अन्य नुकसान का आंकलन कर मुआवजा वितरण संबंधी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी क्रम राजनगर तहसील अंतर्गत ग्राम घूरा और इमलाहा में सर्वे किया जा रहा। विधायक राजनगर अरविंद पटेरिया द्वारा भी सर्वे कार्य एवं नुकसान का जायजा किया है।

पचेर घाट के पास क्षतिग्रस्त पुलिया पर हुआ दर्दनाक हादसा

क्रॉसिंग के दौरान पानी में समाई पिकअप

ईशानगर थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित पचेर घाट के समीप स्थित एक पुलिया बीते रोज बारिश में क्षतिग्रस्त हो गई थी, लेकिन इसके बाद भी यहां बैरीकेडिंग नहीं की गई जिसके परिणामस्वरूप रात के वक्त यहां एक दर्दनाक हादसा हो गया। बताया गया है कि एक पिकअप वाहन यहां से गुजर रहा था, जिसके चालक को पुलिया के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी नहीं थी। चूंकि पानी सड़क के ऊपर से बह रहा था जिस कारण से चालक को पुलिया के क्षतिग्रस्त होने का अंदाजा नहीं लगा और पिकअप टूटी हुई पुलिया के ऊपर से बह रहे पानी में समा गई। हादसे के वक्त पिकअप वाहन में चालक सहित तीन युवक सवार थे, जिनमें से चालक की मौत हो गई है, जबकि अन्य दो युवक किसी तरह अपनी जान बचाने मे कामयाब रहे।

हादसे के वक्त वाहन में मौजूद टीकमगढ़ जिले के ग्राम वानपुरा निवासी राहुल अहिरवार ने बताया कि वह कृष्णा विश्वकर्मा के पिकअप वाहन से एक अन्य दोस्त मनोहर विश्वकर्मा के साथ छतरपुर आया था। सुबह जब वह छतरपुर आ रहा था तब पुलिया ठीक थी। रात करीब 10 बजे वे तीनों वापिस अपने गांव जा रहे थे, नदी के आसपास पूरी सड़क पानी में डूबी थी जिस कारण से उन्हें पुलिया के क्षतिग्रस्त होने का अंदाजा नहीं लगा और वाहन पुलिया पर जाकर पानी में समा गया। राहुल के मुताबिक चालक कृष्णा विश्वकर्मा वाहन के नीचे दब गया था, जिस कारण से उसकी मौत हो गई, जबकि वह और उसका एक साथी किसी तरह वाहन से बाहर निकलने में कामयाब हो गए, जिससे उनकी जान बच गई। राहुल ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुलिया के आसपास न तो कोई अधिकारी-कर्मचारी तैनात था और न ही यहां बैरीकेडिंग की गई थी, जिस कारण से उन्हें पुलिया के क्षतिग्रस्त होने का पता नहीं चल सका और उनके साथ हादसा हो गया। घटना की खबर लगने के बाद ईशानगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए ईशानगर पहुंचाया।

चपरन गांव में घुसा धसान नदी का पानी, रास्ता बंद

पुछी और दालौन गांव में निर्मित हुए बाढ़ जैसे हालात

छतरपुर। दो दिनों तक हुई बारिश से जिले के ग्रामीण अंचल प्रभावित हुए हैं। हरपालपुर क्षेत्र में धसान नदी के किनारे बसे चपरन गांव में नदी का पानी मकानों और खेतों में घुस गया। गांव को मुख्यालय से जोडऩे वाले खजवा पुल पर 7 फीट ऊपर पानी बहने के कारण कई घंटों से आवागमन बंद है। प्रशासन ने यहां करीब दो दर्जन लोगों का रेस्क्यू किया है। वहीं जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम पुछी और दालौन में भी बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। जिला प्रशासन अभी अलर्ट मोड पर है और राहत कार्य जारी हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरपालपुर क्षेत्र में धसान नदी पर बने बांधों के गेट खुलने से नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे चपरन गांव में बाढ़ जैसे हालात बन गए। नदी का पानी कई मकानों और खेतों में घुस गया। गांव के रास्ते पिछले 18 घंटे से बंद हैं। खजवा पुल पर पानी 7 फीट ऊपर से बह रहा है, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। कलेक्टर पार्थ जसवाल के निर्देश पर नौगांव तहसीलदार और प्रशासनिक अमला लगातार चपरन गांव की निगरानी कर रहा है। प्रशासन की टीम गांव में तैनात है और बाढ़ की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। रात को पानी का बहाव इतना तेज था कि कई मकान और खेत जलमग्न हो गए, लोग रातभर दहशत में रहे। सुबह से जिला प्रशासन की टीमों ने पानी में फंसे 23 लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। रविवार दोपहर तक नदी का जलस्तर कुछ कम हुआ है, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, हालांकि प्रशासन अब भी पूरी तरह अलर्ट है। प्रशासन ने गांव के लोगों को सतर्क रहने और नदी के किनारे न जाने की हिदायत दी है। राहत शिविर में रुके ग्रामीणों को प्रशासन द्वारा भोजन, पानी और जरूरी सामान उपलब्ध कराया जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर छतरपुर शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पुछी और दालौन गांव में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। शनिवार को करीब आधा सैकड़ा ग्रामीण पानी में फंस गए, जिसकी सूचना मिलने के बाद एसडीईआरएफ, जिला प्रशासन और पुलिस की टीम ने गांव पहुंचकर रेस्क्यू किया। सीएसपी अरुण सोनी ने बताया कि बारशि के बाद पुछी और दालौन गांव में बड़ी मात्रा में पानी भर गया। गांव के निचले इलाकों में रहने वाले करीब आधा सैकड़ा लोग पेड़ों पर चढ़ गए थे, जिनकी सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एसडीईआरएफ के कमांडेंट विनीत तिवारी की टीम के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए 50 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन में गोताखोरों ने दिन-रात मेहनत की और सभी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

प्रताप सागर तालाब में डूबे युवक का 22 घंटे बाद मिला शव

छतरपुर।

शनिवार को शहर के प्रताप सागर तालाब में डूबे व्यक्ति का शव करीब 22 घंटे के रेस्क्यू के बाद बरामद हो गया है। बताया गया है कि शहर के सागर रोड, परिहार मार्केट के निवासी सुरेंद्र मिश्रा पुत्र नाथूराम मिश्रा उम्र 44 वर्ष, शनिवार दोपहर 3 बजे अपने मित्र के साथ प्रताप सागर तालाब में नहाने गए थे। मृतक के मामा मुन्ना तिवारी ने बताया कि सुरेंद्र तैरने में माहिर थे, लेकिन संभवतः तालाब के बीच में स्थापित शिवजी की प्रतिमा के पास लगे बिजली के खंभे से करंट लगने की वजह से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस और होमगार्ड की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गई। एसडीईआरएफ के डीके शर्मा ने बताया कि शनिवार दोपहर 3 बजे सूचना मिलने पर गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया गया, लेकिन बारिश के कारण रात में ऑपरेशन रोकना पड़ा। रविवार सुबह 8 बजे शव बरामद किया गया।

बुनियादी सुविधाओं के लिए सड़क पर उतरे लोग

सटई रोड पर वार्ड 20 के रहवासियों ने किया चक्का जाम

छतरपुर। शहर के सटई रोड पर रविवार को वार्ड नंबर 20 के रहवासियों ने बिजली, सड़क और पानी जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर चक्का जाम कर दिया। वार्डवासियों का कहना है कि लंबे समय से क्षेत्र में बिजली की कटौती, जर्जर सड़कें और पानी की सप्लाई बाधित है। इन समस्याओं को लेकर कई बार अधिकारियों और वार्ड पार्षद को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ। प्रदर्शनकारियों में शामिल नरेश तिवारी और मुन्ना शिवहरे ने बताया कि वार्ड के पार्षद भी उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं, जिससे लोगों में आक्रोश है। वार्डवासियों ने बताया कि वे कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें दे चुके हैं, लेकिन प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। इसी अनदेखी से नाराज होकर बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और सटई रोड पर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन के दौरान मार्ग का आवागमन पूरी तरह ठप रहा। चक्का जाम की सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन को और उग्र करेंगे।

बिजावर पुलिस ने फरार आरोपी को पकड़ा

छतरपुर। रविवार को बिजावर पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के एक मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके पास से 18 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। बताया गया है कि पिछले सप्ताह बछरगांय रोड नारायणपुरा तिगड्डे के पास थाना बिजावर पुलिस ने एक स्विफ्ट डिजायर कार और 63 लीटर अवैध शराब के साथ सिविल तिवारी पुत्र राममिलन तिवारी निवासी मोहनगंज बिजावर को गिरफ्तार किया था। इस मामले में दूसरा आरोपी फरार था, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी थी। रविवार को बिजावर पुलिस ने फरार आरोपी कौशलेंद्र उर्फ बबलू राजा पुत्र रतन सिंह चंदेल निवासी ग्राम देरी थाना ओरछा रोड को दो पेटी यानी 18 लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

बारिश से प्रभावित गांवों में पहुंचे विधायक अरविंद पटैरिया

राहत कार्यों के लिए दिए निर्देश, लोगों को बंधाया ढांढस

राजनगर। विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। नदी-नालों के उफान और जलभराव के कारण कई गांवों में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इस संकट की घड़ी में राजनगर विधायक अरविंद पटैरिया ने सक्रियता दिखाते हुए क्षेत्र के प्रभावित गांव बाहरपुरा, दसइपुरा, कलूपुरा, इमलहा, पथरगुवां और रनगुवां का दौरा कर जलभराव की स्थिति का स्थल निरीक्षण किया। विधायक ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और प्रशासन को त्वरित राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विधायक अरविंद पटैरिया ने प्रभावित गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से व्यक्तिगत रूप से भेंट की और उनकी परेशानियों को समझा। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि इस संकट की घड़ी में वह और प्रशासन उनके साथ हर कदम पर खड़े हैं। उन्होंने ने कहा कि आपदा के समय हरसंभव सहायता पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। हम मिलकर हर चुनौती का सामना करेंगे। ग्रामीणों ने जलभराव, फसल नुकसान और बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसी समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा, जिन्हें उन्होंने गंभीरता से लिया और तत्काल कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

रनगुवां डैम का किया निरीक्षण -

बाढ़ की संभावना को देखते हुए विधायक अरविंद पटैरिया ने अधिकारियों और ग्रामीणों के साथ रनगुवां डैम का निरीक्षण किया। उन्होंने डैम की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को बाढ़ जैसी स्थिति में पूरी मुस्तैदी के साथ तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने डैम के जलस्तर और सुरक्षा उपायों की समीक्षा की, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। साथ ही, उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे घबराएं नहीं और नदी-नालों जैसे जल स्रोतों से दूरी बनाए रखें। उन्होंने ने कहा, हमारी प्राथमिकता लोगों की जान-माल की सुरक्षा है। प्रशासन को हर स्थिति के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है।

शुरू कराया नुकसान का सर्वे

कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में जिले में अतिवृष्टि से हुए नुकसान का सर्वे कार्य शुरू हो गया है। सर्वे दल फसलों, मकानों और अन्य संपत्तियों के नुकसान का आंकलन कर रहे हैं। कलेक्टर ने सभी निर्माण विभागों को बारिश से हुए नुकसान की मरम्मत और रेस्टोरेशन कार्य तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, राजस्व अधिकारियों को फसल, मकान और अन्य नुकसान का आकलन कर मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने को कहा गया है। विधायक के प्रयास से राजनगर तहसील के घूरा और इमलहा गांवों में सर्वे कार्य प्रगति पर है। विधायक अरविंद पटैरिया ने स्वयं इन गांवों में पहुंचकर सर्वे कार्य का जायजा लिया और प्रभावित ग्रामीणों से मिलकर उनके नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि सर्वे कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत प्रदान की जाए।

खबर संक्षेप

विकास की कतार में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति को भी मिलेगा योजनाओं का लाभ, धरती आबा योजना से जनजातीय परिवारों का होगा समग्र विकास : उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने धरती आबा अभियान के तहत शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभांवित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अत्यंत पिछड़े जनजातीय परिवारों के कल्याण के लिए जनमन योजना शुरू की। प्रधानमंत्री ने 2024 में धरती आबा अभियान शुरू करके देश के 28 लाख अनुसूचित जनजाति हितग्राहियों को विकास की सभी योजनाओं का लाभ देने का अभियान शुरू किया है। इसके लिए 28 हजार करोड़ रूपये की राशि दी गयी है। प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जनजाति परिवारों के कल्याण के लिए इस अभियान को लागू किया गया है। अभियान के तहत रीवा और मऊगंज जिले में 15 जून से 15 जुलाई तक जन जागरूकता शिविर गांव-गांव लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों अब तक 2877 जनजाति हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभांवित किया गया है। धरती आबा योजना से जनजाति परिवारों का समग्र विकास होगा। विकास की कतार में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति को भी योजनाओं का लाभ दिया जायेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा अभियान के तहत जिले भर में जागरूकता का सघन अभियान चलाये। शासन की विभिन्न योजनाओं से जनजाति परिवारों को दिये जा रहे लाभों से अवगत करायें। योजनाओं की जानकारी मिलने पर ही जनजाति परिवार उनका लाभ ले सकेंगे। धरती आबा अभियान में 18 विभागों की 25 योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। हर पात्र जनजाति हितग्राही को इन योजनाओं का लाभ दें। इसमें पक्के आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, खेती के विकास, सामाजिक कल्याण, महिला सशक्तीकरण सहित विभिन्न लाभ शामिल हैं। कार्यक्रम में विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल ने कहा कि धरती आबा योजना के तहत लगाये जा रहे शिविरों को अधिक प्रभारी बनायें। जनजाति परिवारों के लिए क्रियान्वित सतत मॉनीटरिंग करें। प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुसार हर पात्र जनजाति हितग्राही को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दें। समारोह में अतिथियों का स्वागत प्रभारी उपायुक्त सुदेश मालवीय ने किया। कार्यक्रम में जिला संयोजक कमलेश्वर सिंह ने धरती आबा अभियान के तहत रीवा और मऊगंज जिले में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी, पुष्पेन्द्र सिंह, अभियान से जुड़े अधिकारी तथा बड़ी संख्या में जनजाति हितग्राही उपस्थित रहे।

आर्मी जवान के साथ मारपीट, गुर्गों ने धारदार हथियारों के नोंक पर की पिटाई

रीवा। देश सेवा के लिए सेना में पदस्थ जवान अवकाश लेकर जब गांव लौटा तो उसे अपने ही रिश्तेदारों की साजिश का शिकार होना पड़ा। रीवा जिले के पनवार थाना अंतर्गत ग्राम जिरौहा निवासी निर्दोष कुमार तिवारी, जो वर्तमान में बीकानेर स्थित 19 मेक इनफैंट्री बटालियन में आर्मी में पदस्थ हैं, जो छुट्टियों में अपने पैतृक निवास आए थे आरोप है कि जहां 28 जून को उनके ही सगे चाचा द्वारा भेजे गए आरोपियों ने जानलेवा हमला कर दिया। और जमकर मारपीट की है। मिली जानकारी के अनुसार, आर्मी जवान निर्दोष कुमार अवकाश लेकर 28 जून को अपने गांव जिरौहा पहुँचे थे। गांव में लंबे समय से उनके पिता जागृत प्रसाद तिवारी और चाचा आनन्द प्रसाद तिवारी (जो वर्तमान में इंदौर में उपनिरीक्षक के पद पर पदस्थ हैं) के बीच भूमि विवाद चल रहा था। विवादित भूमि खसरा क्रमांक 348/6/1 पर बिना वैधानिक विभाजन के

चाचा द्वारा जबरन निर्माण कार्य कराया जा रहा था। इस पर तहसीलदार न्यायालय से 26 जून को निर्माण रोकने का स्थगन आदेश भी प्राप्त किया गया था। स्थगन आदेश से नाराज होकर चाचा आनन्द तिवारी ने कथित रूप से अपने पुत्र विशाल तिवारी व अन्य परिचितों लकी पिता कृष्णपाल , दीपक पिता शिवपाल,एवं अविनाश अग्निहोत्री पिता धर्मपाल को भेजकर जवान के साथ मारपीट करवाई। घटना उस समय हुई जब जवान गांव के बाहर एकांत में स्थित कियवासिनी देवी मंदिर में पूजा हेतु गया था। वहीं, शाम 5:30 बजे आरोपियों ने उसे गंदी-गंदी गालियाँ देते हुए घेर लिया और फरसा, चाकू और लाठियों से गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल आर्मी जवान ने तत्काल हंड्रेड डायल को सूचना दी, घटना के तुरंत बाद घायल जवान को 100 नंबर डायल कर पुलिस वाहन से पनवार थाना लाया गया, जहां पहले से चाचा आनंद तिवारी मौजूद थे। जवान द्वारा रिपोर्ट दर्ज करने का प्रयास किया गया, परंतु थाना स्टाफ ने मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही एफआईआर दर्ज करने की बात कहकर मामला टाल दिया। इसके पश्चात घायल निर्दोष का प्राथमिक उपचार शासकीय अस्पताल जवा में कराया गया, जहाँ उसकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने रीवा रेफर कर दिया। बात दे पीड़ित जवान वर्तमान में भी चलने-फिरने में असमर्थ है और गहन पीड़ा से गुजर रहा है। आरोप है कि उपनिरीक्षक पद पर कार्यरत चाचा आनंद तिवारी के प्रभाव के कारण पनवार थाने में मामले की निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो रही है और अब तक आरोपीगण के विरुद्ध कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। जवान निर्दोष कुमार तिवारी ने बताया कि वह ऑपरेशन सिंदूर की पूर्णता के पश्चात अवकाश लेकर अपने गांव आया था, और गांव में उसके साथ इस प्रकार की घटना होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने एसपी कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह से निष्पक्ष जांच व न्याय की माँग की है। देश सेवा में तैनात जवान के साथ हुई इस घटना ने पुलिस कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या एक आम नागरिक को न्याय मिलना अब भी आसान है, जब आरोपी खुद वर्दीधारी हो।

रीवा विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ का प्रशिक्षण आज

रीवा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार बूथ लेवल आफीसर्स बीएलओ को मतदाता सूची पुनरीक्षण तथा अन्य निर्वाचन गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस संबंध में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा एसडीएम हुजूर वैशाली जैन ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र रीवा के बीएलओ का प्रशिक्षण 14 से 16 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया जा रहा है। बीएलओ को जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा नियुक्त मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण देने के लिए मास्टर ट्रेनर के रूप में एसएल मण्डलोई प्राध्यापक, डॉ हुलास पेण्ड्रो सहायक प्राध्यापक तथा डॉ जितेन्द्र कुमार पाण्डेय सहायक प्राध्यापक को तैनात किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बूथ क्रमांक एक से बूथ क्रमांक 100 तक के बीएलओ का प्रशिक्षण 14 जुलाई तथा बूथ क्रमांक 101 से 200 तक का प्रशिक्षण 15 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। बूथ क्रमांक 201 से 244 तक के बीएलओ को 16 जुलाई को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सभी बीएलओ प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

पति ने पत्नी को कीटनाशक पिलाकर उतारा था मौत के घाट

9 माह बाद आरोपी पति यूपी से गिरफ्तार, शव को खेत के गड्ढे में छिपा दिया था आरोपी

रीवा।

जिले के सोहागी पुलिस ने पत्नी को कीटनाशक जहर पिलाकर हत्या करने वाले आरोपी पति को यूपी से गिरफ्तार किया है। घटना के करीब 9 माह बाद आरोपी पकड़ा गया है। फरार आरोपी की तलाश के लिए डीआईजी ने 20 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

सोहागी थाना प्रभारी पवन शुक्ला ने बताया कि आरोपी देवमुनि मांझी ने अपनी पत्नी की हत्या कीटनाशक दवाई खिलाकर कर दी थी और शव को खेत में गाड़कर अपनी पुत्री सहित भाग गया था। बताया गया कि मृतका रामवती मांझी अपने पति देवमुनि मांझी व पुत्री के साथ जेल रोड त्योंथर स्थित एक खेत पर रहकर सब्जी की खेती कर अपना जीवनयापन करती थी। 11 अक्टूबर 2024 को मृतका का पुत्र अभिलाष मांझी खेत पर गया लेकिन मॉ वहां नहीं थी, जिसके बाद जब उसने अपनी बहन से मॉ की जानकारी ली तो बहन ने बताया कि उसके पापा मॉ को प्रयागराज छोड़ आए है। इसके बाद अभिलाश मॉ का पता लगाता रहा लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद पता लगा कि 17 अक्टूबर को आरोपी देवमुनि मांझी अपनी पुत्री सहित खेत से कही भाग गया। जिसके बाद मृतका के पुत्र अभिलाष द्वारा थाना सोहागी में 19 अक्टूबर को अपनी मां रामवती की गुम होने की सूचना दर्ज कराई गई। जिसके बाद पुलिस ने तलाश करते हुए अगले दिन मृतका की लाश उसी खेत में गड्ढे से बरामद की। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया। घटना के वाद से ही आरोपी देवमुनि मांझी अपनी पुत्री सहित फरार चल रहा था। जिसकी लगातार पता तलाश की जा रही थी। पुलिस ने आरोपी देवमुनि मांझी पिता मैकूलाल मांझी 59 वर्ष निवासी वार्ड 7 त्योथर को घूरपुर जिला प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी ने पुलिस पूछतांछ में बताया कि घटना के बाद वह खेत में नाला के पास अपनी पत्नी के शव को मिट्टी के अंदर गाड़.दिया था और खेत में लगी सब्जी की फसल को ट्रेक्टर से जोतकर पूरे कचडे को गड्ढे के ऊपर रखकर दिया था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा गया है।बॉक्स फरारी के दौरान बेटी की कर दी तीसरी शादी, जांच में जुटी पुलिस हत्या के बाद आरोपी अपनी बेटी को लेकर फरार हो गया था। फरारी के दौरान उसने बेटी की दिल्ली में तीसरी शादी करवा दी। पूर्व में उसकी दो शादियां हो चुकी थीं। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने वास्तव में बेटी की शादी की है या उसे कहीं बेच दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री ने वन्य विहार में चार निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

रीवा।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौवन्य विहार अभ्यारणय में चार निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री ने वन्य विहार के विश्राम गृह में केयरटेकर आवास तथा किचन का लोकार्पण किया। इसके बाद उप मुख्यमंत्री 43 लाख 49 हजार रूपये की लागत से मनरेगा योजना तथा खनिज मद से निर्मित स्टाप डैम तथा रपटा और चेकडैम निर्माण का लोकार्पण किया। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक भवन में आयोजित बैठक में गौवन्य विहार के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि शेष निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करें। सामुदायिक शौचालय निर्माण, भोजन शाला तथा पेवर लगाने का कार्य शीघ्र पूरा करायें। बसामन मामा में आगामी फरवरी माह में मलूकदास पीठ के स्वामी आचार्य राजेन्द्रदास की चार दिवसीय कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह सब पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण होगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विभाग के अधिकारी गौवन्य विहार में पांच हजार पौधे रोपित करायें। बांस का रोपण करके ग्रीन फेंसिंग बना दें। कार्यपालन यंत्री पीएचई दो संपबेल का निर्माण पूरा कराके पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। पुर्वा में 2 करोड़ 83 लाख रूपये की लागत से विद्युत सबस्टेशन का निर्माण मंजूर हो गया है। इसका निर्माण तत्काल शुरू करायें। इससे गौशाला को पर्याप्त बिजली आपूर्ति के साथ आसपास के सभी गांव की विद्युत व्यवस्था बेहतर होगी। बसामन मामा गौवन्य विहार के विकास से जुड़े कार्यों में समय पर भुगतान करायें। उप मुख्यमंत्री ने वन्य विभाग के अधिकारियों को हिनौती गौधाम में 3 ब्लाक बनाकर 4 हजार पौधे रोपित करने के निर्देश दिये। बैठक में विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह ने कहा कि बसामन मामा गौवन्य विहार में 8 हजार निराश्रित गौवंश को आश्रय मिल रहा है। उप मुख्यमंत्री के सतत प्रयासों से यह गौवन्य विहार आधुनिक गौशाला के रूप में विकसित हो गया है। इसका लाभ आसपास के गांव के किसानों को देते हुए इस क्षेत्र में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाय। इससे किसानों और गौशाला की दोनों की आय में वृद्धि होगी। बैठक में पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि उप मुख्यमंत्री की पहल से लक्ष्मणबाग उनके बाद बसामन मामा और हिनौती में गौधाम का विकास हो रहा है। इससे हजारों निराश्रित गायों को आश्रय मिला है। गायों की सेवा का फल ही क्षेत्र में विकास के रूप में मिल रहा है। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, जनपद प्रतिनिधि गंगेव विकास तिवारी, श्रीमती नंदनी तिवारी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, एसडीएम सिरमौर पीके पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री हाउसिंग बोर्ड अनुज प्रताप सिंह, उप संचालक पशुपालन डॉ. राजेश मिश्रा, कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय, परियोजना अधिकारी जिला पंचायत संजय सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के पूर्व उप मुख्यमंत्री ने गौशाला का भ्रमण करके गौसेवा की उप मुख्यमंत्री ने गायों को गुड, चना और चारा खिलाया। उप मुख्यमंत्री ने गौशाला में साफ-सफाई तथा शेड की मरम्मत के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिये।

जानडाभौरा के जिरौहा गांव की घटना

बारिश बनी कहर कच्चा मकान ढहा, परिवार ने भागकर बचाई

रीवा।

जिले में गत रात्रि मूसलाधार बारिश जहां एक ओर राहत से ज्यादा आफत बनकर बरस रही है, वहीं डभौरा नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 11 अंतर्गत जिरौहा गांव से एक बड़ी दुर्घटना टलने की खबर सामने आई है। बीती रात तेज बारिश के चलते एक कच्चा मकान भरभरा कर ढह गया, जिसमें एक महिला अपने बच्चों के साथ सो रही थी। गनीमत रही कि गिरने से कुछ ही पल पहले घर की दीवारों में दरारें आने लगीं, जिससे समय रहते पूरा परिवार बाहर निकल सका। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिरौहा निवासी छोटी देवी यादव अपने पति के निधन के बाद बच्चों के साथ अकेले इसी कच्चे घर में रह रही थीं। बारिश के चलते जब घर की दीवारें कमज़ोर होकर गिरने लगीं, तो वह बच्चों को लेकर किसी तरह बाहर भागीं। कुछ ही पलों में पूरा मकान ज़मींदोज हो गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन परिवार पूरी तरह बेघर हो गया है। छोटी देवी का कहना है कि वह पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के घर के लिए आवेदन कर रही हैं, लेकिन अब तक न तो मंजूरी मिली और न ही किसी अधिकारी ने मौके पर आकर हालात देखे। हमने कई बार गुहार लगाई, मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन की अनदेखी और भ्रष्टाचार के कारण ज़रूरतमंदों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। अब जब मकान पूरी तरह गिर चुका है, परिवार के पास न रहने की जगह है और न ही खाने की व्यवस्था। महिला ने प्रशासन से तत्काल मदद की मांग की है। वही ग्राम जिरौहा और आसपास के अन्य क्षेत्रों में भी ऐसे कई कच्चे और जर्जर मकान हैं, जो बारिश के कारण खतरे की जद में हैं। अगर समय रहते सर्वे और सहायता नहीं दी गई, तो किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना के तहत आवेदन 25 जुलाई तक

रीवा।

मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना के तहत व्यावसायिक शिक्षण देने हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। विपत्तिग्रस्त महिलायें जिनके परिवार में कोई नहीं हो, बलात्कार से पीड़ति महिला या बालिका, दुव्यापार से बचाई गयी महिलायें जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करती हो, ऐसिड विक्टिम/दहेज प्रताड़ति/अग्नि पीडित महिलायें, कुआरी मातायें या समाजिक कुप्रथा का शिकार महिलायें, जेल से रिहा महिलायें, परित्यक्ता/तलाकशुदा महिलायें जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करती हो, आश्रय गृह, बालिका गृह, अनुरक्षण गृह में निवासरत विपत्तिग्रस्त बालिका / महिला जो प्रशिक्षण लेना चाहती हों आवेदन कर सकती हैं। प्रशिक्षण पर होने वाला संपूर्ण व्यय विभाग द्वारा वहन किया जायेगा। हितग्राहियों का चयन जिला स्तर पर गठित समिति द्वारा किया जायेगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 जुलाई तय की गयी है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नयन सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण हेतु महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त न हो, सामान्य वर्ग की महिला की उम्र 45 वर्ष से अधिक न हो परित्यक्ता तलाकशुदा / विधवा, अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा वर्ग महिला होने की स्थिति मे 50 वर्ष, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता होनी अनिवार्य होगी। चयनित विपत्तिग्रस्त महिलाओं को संचालनालय महिला एवं बाल विकास द्वारा निर्धारित विभिन्न विषयों पर मान्यता प्राप्त संस्थाओ में प्रशिक्षण दिलाया जायेगा। आवेदन पत्र प्राप्त करनें एवं अधिक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नवीन कलेक्ट्रेट भवन, प्रथम तल कक्ष कमांक 4 से प्राप्त की जा सकती है।

विपत्ति ग्रस्त महिलाओं को कौशल उन्नयन तथा स्वरोजगार प्रशिक्षण का अवसर

औद्योगिक क्षेत्र घूमा के संबंध में सुझाव 20 जुलाई तक

रीवा।

नई औद्योगिक नीति के तहत रीवा जिले में औद्योगिक विकास केन्द्र घूमा का विकास किया जा रहा है। इसमें अधोसंरचना विकास के कार्य पूरे हो गए हैं। नवीन औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के लिए भूखण्डों का आवंटन किया जा रहा है। जिला महाप्रबंधक उद्योग जेपी तिवारी ने इस संबंध में कहा है कि घूमा औद्योगिक क्षेत्र में नवीन उद्यमों की स्थापना के लिए उद्योग लगाने के इच्छुक व्यक्ति, भूखण्डों की साइज तथा औद्योगिक इकाई के संबंध में अपने सुझाव 20 जुलाई तक दे सकते हैं। सुझाव ईमेल एडीआईआईडी एट द रेट एमपी जीओभी डॉट इन पर दे सकते हैं।

मऊगंज में आईजी ने जन चौपाल में ग्रामीणों को किया जागरूक

नशे के सौदागरों और साइबर अपराधियों की सूचना दें, पहचान रहेगी गोपनीय- गौरव राजपूत

मऊगंज। जिले के ग्राम जड़कुड़ में "आपका आईजी आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस मौके पर रीवा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) गौरव राजपूत ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उन्हें नशे के कारोबार और साइबर अपराध के खिलाफ जागरूक किया।

नशे के कारोबार के खिलाफ मिलकर लड़ने की अपील

शासकीय हाई स्कूल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे। आईजी गौरव राजपूत ने कहा कि मेडिकल नशे का चलन गांव-गांव तक फैल चुका है, जो बेहद घातक है। उन्होंने कहा कि—"6 महीने से 1 साल तक लगातार कोरेक्स, फैंसीडिल जैसे नशे करने से शरीर के सभी अंग धीरे-धीरे फेल हो जाते हैं। यह सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, पूरे समाज की लड़ाई है।"उन्होंने बताया कि अगर कोई व्यक्ति नशे का कारोबार करता है, तो उसकी सूचना मोबाइल नंबर 9479997336 पर दी जा सकती है।"आपका नाम और पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, और सही जानकारी देने वाले को इनाम भी दिया जाएगा।"

साइबर ठगी से रहें सतर्क, निजी जानकारी न करें साझाआईजी ने ग्रामीणों को साइबर क्राइम के नए तरीकों से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि आजकल लोग मोबाइल पर झांसा देकर पैन कार्ड, पासवर्ड, एटीएम डिटेल्स लेकर ठगी कर रहे हैं। "अगर कोई अनजान कॉल, वीडियो कॉल या फर्जी अधिकारी बनकर संपर्क करे, तो सतर्क रहें। कभी भी ओटीपी, एटीएम पिन या कोई भी निजी जानकारी साझा न करें।"उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर भी फेक प्रोफाइल बनाकर ठगी की जा रही है। यदि कोई साइबर ठगी हो तो तुरंत डायल 100 या नजदीकी थाने में सूचना दें।

बाढ़ से प्रभावित व्यक्तियों को संवेदनशीलता के साथ उदार भाव से क्षतिपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करायें

रीवा।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा शहर सहित हुजूर अनुभाग के बाढ़ से प्रभावित व्यक्तियों को संवेदनशीलता के साथ उदार भाव से क्षतिपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। उन्होंने राहत राशि के साथ ही अतिरिक्त खाद्यान्न प्रभावितों को उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिये। श्री शुक्ल ने सर्किट हाउस रीवा में जल भराव से प्रभावित व्यक्तियों के सर्वे के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली तथा राहत कार्यों के विषय में पूंछतांछ की।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गत दिवस रीवा शहर के कई वार्डों में जल भराव की स्थिति निर्मित हो गयी थी। उन्होंने स्वयं भी नया तालाब, खैरी आदि मोहल्लों में जाकर जल भराव का जायजा लिया था और पीड़तों से मुलाकात भी की थी। उन्होंने प्रभावितों को क्षतिपूर्ति की शीघ्र व्यवस्था कराने के निर्देश दिये। श्री शुक्ल ने कहा कि वर्ष 2016 में रीवा में आयी बाढ़ के बाद सर्वे कर बाढ़ को रोकने के उपायों के सुझाव दिये गये थे। उस रिपोर्ट का अध्ययन कर सुझाये गये बिन्दुओं का भी परीक्षण करें। उन्होंने कहा कि करहिया में मूर्ति विसर्जन घाट से आगे नदी की चौड़ाई को बढ़ाने के लिए सर्वे करें साथ ही उन्नत पुलों के बन जाने के बाद पूर्व के पुलों के

ढांचे व पिलर आदि को भी हटाने की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। उप मुख्यमंत्री ने गत दिवस जल भराव से उत्पन्न स्थिति में प्रशासन की सक्रियता की प्रशंसा भी की। बैठक में बताया गया कि रीवा शहर के 6 वार्डों के 234 बाढ़ प्रभावितों के प्रकरण सर्वे के उपरांत बनाये गये हैं। इसी प्रकार हुजूर अनुभाग के 410 व्यक्ति बाढ़ से प्रभावित रहें हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि जल भराव के कारण प्रभावितों को शीघ्र ही राहत राशि व खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जायेगी। आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे ने बताया कि जिन स्थानों में नालों में अतिक्रमण के कारण जल भराव की स्थिति निर्मित हुई उन्हें शीघ्र ही हटाया जायेगा। बैठक में अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, अधीक्षण यंत्री विद्युत मंडल बीके शुक्ला, तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला, पूर्व जिला गौसंवर्धन बोर्ड उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय उपस्थित रहे।